DEPwD को मिला सातवाँ गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (Ministry of Social Justice and Empowerment) के विकलांग व्यक्तियों के अधिकारता विभाग (Department of Empowerment of Persons with Disabilities-DEPwD) द्वारा गुजरात के भरूच जिले में दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना (Deendayal Disabled Rehabilitation Scheme-DDRS) पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

महत्त्वपूर्ण बिंदु

- इस सम्मेलन में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री, सचिव, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा देश भर से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- सम्मेलन का मुख्या उद्देश्य योजना के साझेदारों (Stakeholders) अर्थात् कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसियों (Programme Implementing Agencies-PIAs), ज़िला स्तर के अधिकारियों और राज्य सरकार के अधिकारियों को संवेदनशील बनाना था।
- इससे पहले DEPwD ने 22 दिसंबर, 2018 को सिकंदराबाद में, 17 जनवरी, 2019 को मुंबई में तथा 18 फरवरी 2019 को कोलकाता में देश के दक्षिणी, पश्चिमी, मध्य, पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों को कवर करते हुए तीन क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किये।
- हाल में DEPwD ने गुजरात के भरूच ज़िले में आठ घंटों के भीतर 260 दिव्यांगजनों में मॉडर्न आर्टिफिशियल लिम्ब्स (Legs) एक साथ प्रतिस्थापित कर '7वाँ गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। DEPwD द्वारा किया दिव्यांगजनों के लिये किया गया यह कार्य अत्यंत सराहनीय है।
- DEPwD ने पहले भी अन्य श्रेणियों में छह विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं।

DEPwD की उपलब्धियाँ

- DEPwD के तहत भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (Indian Sign Language Research and Training Centre-ISLRTC) ने हाल ही में एक निर्देशिका तैयार की है जिसमें श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के लिये 6000 शब्द उपलब्ध हैं साथ ही 1700 से अधिक दृष्टबाधित बच्चों का इलाज कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी (Cochlear Implant Surgery) द्वारा किया गया है, इनमें से लगभग सभी अब सामान्य जीवन जी रहे हैं।

कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी
Cochlear Implant Surgery

इसमें एक छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को कान के पास कर्णावर्त तंत्रिका को उत्तेजित करने के लिये लगाया जाता है। यह उपकरण ध्वनि को संप्रेषित करके आंतरिक भाग तक पहुँचाता है।

- DEPwD ने दिव्यांगजनों को उनके सुगम आवागमन के लिये इंजन चालित ट्राइसाइकिल (Motorized Tricycles) प्रदान की है इस कार्य में परिवहन विभाग उनकी मदद कर रहा है।

पृष्ठभूमि

- अब तक 28 राज्यों ने लगभग 13 लाख दिव्यांगजनों को यूनिवर्सल आईडी कार्ड प्रदान किया है, बहुत जल्द यह आईडी कार्ड देश के सभी दिव्यांगजनों को दिया जाना सुनिश्चित किया गया है। जो कि नई पहलों पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।
- यद्यपि DDRS योजना 1999 से ही अस्तित्व में थी, फिर भी 1 अप्रैल, 2018 में इसके प्रावधानों में एक बड़ा सुधार किया गया।
- इसके पुनरुद्धार एवं अधिक प्रभावशाली बनाने के लिये इस योजना को संशोधित किया गया है।
- योजना में किये गए सुधारों में 2.5 गुना मानदेय, अन्य लागत मानदंडों में वृद्धि, आवेदन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना तथा कुछ मॉडल परियोजनाओं को तर्क संगत बनाना आदि शामिल है।

मॉडल परियोजनाओं

प्री-स्कूल, प्रारंभिक हस्तक्षेप एवं प्रशिक्षण (Pre-Schools, Early Intervention and Training)

- बच्चों के लिये विशेष स्कूलों के साथ (Special Schools for Children with) -

♦ बौद्धिक विकलांग (Intellectual Disabilities)
♦ सुनने और बोलने की विकलांगता (Hearing and Speech Disabilities)
♦ दृश्य विकलांगता (Visual Disabilities)

- बच्चों के लिये सेरेब्रल पल्सडि प्रोजेक्ट (Project for Cerebral Palsied children)
- कुष्ठ रोगियों का पुनर्वास (Rehabilitation of Leprosy Cured Persons)
- मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के इलाज और नियंत्रण के मनोवैज्ञानिक-सामाजिक पुनर्वास के लिये हॉफ वे होम (Half Way Home for psycho-Social Rehabilitation of treated and controlled Mentally ill persons)
- घर आधारित पुनर्वास (Home Based Rehabilitation)
- समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम (Community Based Rehabilitation Programme-CBR)
- लो विजन सेंटर (Low Vision Centres and)
- मानव संसाधन विकास (Human Resource Development)

स्रोत – PIB

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/depwd-got-7th-guinness-book-of-world-records